शोध की दी जानकारी 'सीरी' में इंडिया इन्टरनेशनल साइंस फेस्टिवल आयोजित

एक दिवसीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन

पिलानी। भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, सीएसआईआर मुख्यालय तथा विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में देश भर में आयोजित किए जा रहे चतुर्थ भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव चौथा इंडिया इन्टरनेशनल साइंस फेस्टि वल ।आईआईएसएफ 2018) के अंतर्गत सीएसआईआर में रविवार को प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विद्याविहार नगरपालिका, पिलानी के अध्यआक्ष डॉ आर पी पारीक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयोजन में संस्थान के सहकर्मियों सहित पिलानी एवं निकटवर्ती स्कूकलों, कॉलेजों व तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थी उपस्थित थे। आयोजन का उद्देश्य आम जनमानस में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के बारे में रुचि व जागरूकता पैदा करना, संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा की जा रही शोध गतिविधियों की जानकारी देना तथा विद्यार्थियों को विज्ञान को कैरियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इसके अतिरिक्त एक अन्य प्रमुख उद्देश्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार व प्रसार करना भी है।

अपने स्वागत उद्बोधन में संस्थन के निदेशक प्रो शांतनु चौधुरी ने मुख्य् अतिथि डॉ आर पी पारीक तथा स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों का स्वाबगत करते हुए भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव आयोजित किए जाने के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंदने कहा कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा सीएसआईआर के दिशानिर्देशानुसार संस्थासन में आयोजित किए जा रहे आईआईएसएफ 2018 का मुख्य आयोजन आगामी 5 से 8 अक्टूकबर को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। प्रो चौधुरी ने छात्र-छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि संस्थान में आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम का उद्देश्यथ भी आप सभी को विभिन्न वैज्ञानिक क्रियाकलापों में शामिल कर आपकी जानकारी बढ़ाना तथा सीरी संस्थान के साथ-साथ हमारे चारों ओर विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रही प्रगति की जानकारी देना है।

उन्होंने कहा कि हमारे इस कार्यक्रम में हमने न केवल स्कूलों अपितु कॉलेजों व इंजीनियरिंग संस्थागनों के विद्यार्थियों को शामिल किया है।

उन्होंहने कहा कि हमारे सभी छात्र-छात्राएं देश में विज्ञान का भविष्यं निर्धारित करेंगे और देश भर में आयोजित किए जा रहे इस विज्ञान महोत्सव भी तभी सफल व उपयोगी सिद्ध हो सकेगा, यदि हम आप सभी में वैज्ञानिक अभिरुचि व कुछ नया करने की भावना उत्पन्न कर सकें। वहीं अपने व्यायख्यान में डॉ आर पी पारीक ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पास इतनी क्षमता है कि न केवल आज हम अपनी अपितु पूरे विश्व के लिए मानव संसाधन उपलब्ध करा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्तव करनी होगी और यह वह स्वयं ही अर्जित करनी होगी। अपने संबोधन में उन्होंने मधुमेह, उच्च व निम्न रक्तत चाप कैंसर आदि जैसे गैर संक्रामक रोगों तथा उससे बचाव के बारे में महत्वापूर्ण जानकारी दी। अंत में उन्होंने इस अवसर पर आमंत्रित करने के लिए निदेशकए सीएसआईआर के प्रति आभार व्याक्तत किया।